महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन का

प्रमाणित कैलेण्डर

YEAR
2023

विक्रम संवत्
२०७९-८०

Certified Calendar of

Govt. Jiwaji Observatory, Ujjain

कैलेण्डर के बारे में

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन का निर्माण सन् 1719 में सवाई राजा जयसिंह द्वितीय द्वारा करवाया गया था। जीवाजी वेधशाला, उज्जैन द्वारा सन् 1942 से प्रतिवर्ष दृश्य ग्रह स्थिति पञ्चाङ्ग का प्रकाशन किया जा रहा है। जन सामान्य की सुविधा को देखते हुए कैलेण्डर का प्रकाशन भी किया जा रहा है। इस कैलेण्डर के प्रकाशन का उद्देश्य नागरिकों को हिन्दी तिथियों के प्रारम्भ एवं समाप्ति तथा माह की खगोलीय घटनाओं की प्रमाणित जानकारी प्रदान करना है।

Sawai Raja Jaisingh II, an esteemed nobleman and pioneer in astronomy, built the Jiwaji Observatory, Ujjain in 1719 A.D. The observatory has been publishing its yearly planetary position Ephemeris *(panchang)* since 1942.
As a new initiative, the Observatory has started publication of this calendar to make available authentic and certified information regarding the commencement and end of *Hindi tithis* (dates) and the astronomical events of each month.

विशेषताएँ

जीवाजी वेधशाला कैलेण्डर में विक्रम संवत् के अनुसार माह, हिन्दी तिथियाँ, म.प्र. शासन द्वारा घोषित शासकीय अवकाश एवं माह की प्रमुख खगोलीय घटनाओं को स्थान दिया गया है। विशेष बात यह है कि प्रत्येक दिनांक पर हिन्दी तिथि का समाप्ति समय 24 घण्टे फॉर्मेट (रेलवे समय के अनुसार) में दिया गया है। तिथि समाप्ति उपरांत अगली तिथि प्रारम्भ होती है। जैसे- 20 जनवरी 2023 को कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि प्रातः 10:00.2 बजे पर समाप्त होकर चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ हो रही है जो दिनांक 21 जनवरी 2023 को प्रातः 06:18.0 बजे पर समाप्त है। इसके तुरन्त बाद कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि प्रारम्भ होती है। इसी प्रकार 17 फरवरी 2023 को कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि प्रातः 2:49.6 बजे पर समाप्त हो रही है तथा द्वादशी तिथि प्रारम्भ हो रही है परन्तु द्वादशी तिथि 17 फरवरी को ही रात्रि 23:36.5 बजे (रात्रि 11:36.5 बजे) समाप्त होती है।

This calendar comprises the months and Hindi tithis (dates) in accordance with the Vikram Samvat. It also includes M.P. Govt. holidays and significant celestial events occurring during each month. As a unique feature, this calendar provides the expiry time of Hindi tithi in 24-hour format (Railway Time) on each date. The next tithi starts after the expiration of the current one. For example, on the 20th of January, the thirteenth tithi of Krishna Paksha ends and the fourteenth tithi starts at 10:00:02 hrs which ends on the 21st of January at 06:18:00 hrs. The Amavasya tithi of Krishna Paksha begins right after this. Similarly, the eleventh tithi of Krishna Paksh ends on the 17th of February at 02:49:06 hrs and the twelfth tithi starts. But it ends on the same day i.e. 17th of February at 23:36:05 hrs (11:36:05 pm).

जीवाजी वेधशाला प्रकाशन
कैलेण्डर-2023 | मूल्य ₹ 75/- मात्र

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

YEAR
2023

विक्रम संवत्
२०७९-८०

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन का प्रमाणित कैलेण्डर
Certified Calendar of Govt. Jiwaji Observatory, Ujjain

राशिचक्र : एक परिचय

प्रारम्भ से ही आकाश के तारे हमें आकर्षित करते रहे हैं। आदि मानव ने आकाश के तारों की गति एवं स्थिति का अध्ययन किया। आदि समाजों ने आकाश के तारा समूहों में अलग-अलग प्रकार की आकृतियों की कल्पना की तथा उनके नाम भी दिये, जो आज भी प्रचलन में हैं। पृथ्वी पर बैठे किसी दर्शक के दृष्टिकोण से आकाश में सूर्य का वर्ष भर का मार्ग क्रांतिवृत्त या सूर्यपथ या एक्लिप्टिक कहलाता है। क्रांति का एक अर्थ है एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना। सूर्य पूर्ण वर्ष जिस मार्ग पर चलता हुआ प्रतीत होता है उसको क्रांतिवृत्त कहा गया है। सूर्य, चन्द्र व ग्रह आकाश में एक विशेष पट्टे में गति करते हुए दिखाई देते हैं। आकाश के इस वृत्ताकार पट्टे को ही राशिचक्र या ज़ोडिएक कहते हैं। राशिचक्र आकाश का एक पट्टे के आकार का क्षेत्र है जो क्रांतिवृत्त के लगभग 9^{0} उत्तर या दक्षिण (आकाशीय अक्षांश में मापा गया) तक फैला हुआ है। राशिचक्र उन तारामण्डलों का चक्र है जो क्रांतिवृत्त (एक्लिप्टिक) में आते हैं, यानि उस मार्ग पर आते हैं जिस पर सूर्य पूर्ण वर्ष गति करता हुआ दृष्टिगोचर होता है। चंद्रमा और दिखाई देने वाले ग्रहों के पथ राशिचक्र के दायरे में आते हैं। इन तारों के सापेक्ष चन्द्रमा एक चक्कर 27 1/3 दिन में लगाता है। इसलिए चन्द्र पथ को 27 भागों में बांटकर प्रत्येक दिन के लिए एक तारे का नामकरण किया गया जिसे नक्षत्र कहा गया। वैदिक साहित्य में 27 नक्षत्रों के नाम मिलते हैं। बेबीलोन वालों ने राशि चक्र को 30-30 डिग्री के बारह बराबर 12 भागों में बांटकर 12 राशियाँ की कल्पना की। राशि का शाब्दिक अर्थ है 'समूह'। एक राशि सवा दो नक्षत्र से मिलकर बनती है। ये ज्योतिषीय चिह्न एक आकाशीय समन्वय प्रणाली या अधिक विशेष रुप से एक क्रांतिवृत्त समन्वय प्रणाली का निर्माण करते हैं।

हर राशि का नाम उस तारामण्डल पर रखा जाता है जिसमें सूर्य उस माह में (रोज दोपहर के बारह बजे) मौजूद होता है। हर वर्ष में सूर्य इन बारहों राशियों में भ्रमण करके फिर शुरु से आरम्भ करता है। सारगर्भित रुप से कहें तो राशियों की पट्टी या बेल्ट बारह राशियों से बनी है। इसलिए आप लोगों को यह कहते हुए सुन सकते हैं कि चंद्रमा मेष में है, या मिथुन सूर्य के करीब है। ज्योतिष-शास्त्र में राशियों से कुंडलियाँ या राशिफल बनते हैं। राशियाँ भारत के साथ-साथ समस्त विश्व में सूक्ष्म अंतरों के साथ एक समान रुप से प्रचलित हैं। भारतीय ज्योतिष लगभग 1200 ईसा पूर्व में स्पष्ट रुप से प्रकाश में आया, जब लगध ऋषि ने वेदों के आधार पर वेदांग-ज्योतिष को संकलित किया, जिसमें चंद्र और सौर महीनों का वर्णन किया गया है, उनके अधिमास (चंद्र लीप महीने) द्वारा समायोजन भी दिया गया है। ऋतु, वर्ष और युग का भी वर्णन उनके द्वारा किया गया है। राशिचक्र की उत्पत्ति के संकेत मिस्र इतिहास में भी पाए जाते हैं। इसके अलावा राशि का अंग्रेज़ी शब्द 'ज़ोडिएक' (Zodiac) ग्रीक भाषा से उद्धृत हुआ है, और इसका अनुवाद और अर्थ है, जानवर। परंतु, राशिफल के सभी चिह्न जानवरों से नहीं बने होते हैं।

वर्तमान में प्रचलित आधुनिक राशियाँ बारह हैं, जो पश्चिमी संस्कृतियों और भारतीय संस्कृति में एक ही हैं -

मेष	Aries	सिंह	Leo	धनु	Sagittarius
वृषभ	Tauras	कन्या	Virgo	मकर	Capricorn
मिथुन	Gemini	तुला	Libra	कुम्भ	Aquarius
कर्क	Cancer	वृश्चिक	Scorpio	मीन	Pisces

विशेष

तारामंडलों या राशियों के तारों का नामकरण करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा बायर (Bayer) नामों का प्रयोग किया जाता है। बायर नामांकन में किसी भी तारामंडल में स्थित तारे को एक यूनानी अक्षर और उसके तारामंडल के यूनानी नाम से बुलाया जाता है। बायर नामों में तारामंडल के यूनानी नाम का सम्बन्ध रुप इस्तेमाल होता है। मिसाल के लिए, पर्णिन अश्व तारामंडल (पॅगासस तारामंडल) के तारों में से तीन तारों के नाम इस प्रकार हैं -α पॅगासाए (α Pegasi), β पॅगासाए (β Pegasi) और γ पॅगासाए (γ Pegasi)।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०७९

मेष (Aries)

(खगोलीय रेखांश- 0^0 से 30^0)

मेष या Aries (लैटिन) तारामंडल राशिचक्र का पहला तारामंडल है। दूसरी शताब्दी ईसवी में प्रख्यात रोमन भूगोलवेत्ता टॉलमी ने जिन 48 तारामंडलों की सूची बनाई थी यह उनमें से एक है और अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ द्वारा जारी की गई 88 तारामंडलों की सूची में भी यह शामिल है। प्राचीन खगोलशास्त्रीय पुस्तकों में इसे अक्सर एक मेढ़े (पुरुष भेड़) के रूप में दर्शाया जाता है।

मेष तारामंडल में दस मुख्य तारे हैं, हालांकि वैसे इसमें 67 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं। सन् 2010 तक इनमें से 6 तारों के ग्रहों की खोज की जा चुकी है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र अश्विनी (पूर्ण), भरणी (पूर्ण) एवं कृतिका (एक चौथाई) है। यह राशि दिसम्बर माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

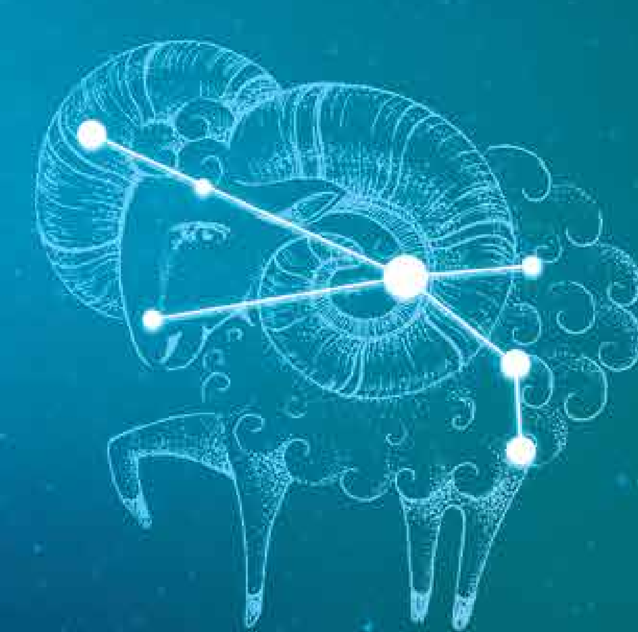

Pausa-Magh | January

जनवरी 2023

पौष-माघ

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
1 पौष शुक्ल दशमी19:12.1 तक एकादशी प्रारम्भ	2 शुक्ल एकादशी 20:23.9 तक द्वादशी प्रारम्भ	3 शुक्ल द्वादशी 22:02.4 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	4 शुक्ल त्रयोदशी पूर्ण दिवस	5 शुक्ल त्रयोदशी 00:01.2 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	6 शुक्ल चतुर्दशी 02:14.5 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	7 पौष कृष्ण पूर्णिमा 04:37.9 तक प्रथमा प्रारम्भ
8 कृष्ण प्रथमा 07:07.6 तक द्वितीया प्रारम्भ	9 कृष्ण द्वितीया 09:39.9 तक तृतीया प्रारम्भ	10 कृष्ण तृतीया 12:10 तक चतुर्थी प्रारम्भ	11 कृष्ण चतुर्थी 14:31.9 तक पंचमी प्रारम्भ	12 कृष्ण पंचमी 16:37.5 तक षष्ठी प्रारम्भ	13 कृष्ण षष्ठी 18:17.7 तक सप्तमी प्रारम्भ	14 कृष्ण सप्तमी 19:23.2 तक अष्टमी प्रारम्भ
15 कृष्ण अष्टमी 19:45.9 तक नवमी प्रारम्भ	16 कृष्ण नवमी 19:20.6 तक दशमी प्रारम्भ	17 कृष्ण दशमी 18:05.6 तक एकादशी प्रारम्भ	18 कृष्ण एकादशी 16:03.1 तक द्वादशी प्रारम्भ	19 कृष्ण द्वादशी 13:18.5 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	20 कृष्ण त्रयोदशी 10:00.2 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	21 कृष्ण चतुर्दशी 06:18.0 तक अमावस्या प्रारम्भ
22 कृष्ण अमावस्या 02:23.2 तक माघ शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ प्रथमा 22:27.9 तक द्वितीया प्रारम्भ	23 माघ शुक्ल द्वितीया 18:43.9 तक तृतीया प्रारम्भ	24 शुक्ल तृतीया 15:22.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ	25 शुक्ल चतुर्थी 12:34.6 तक पंचमी प्रारम्भ	26 शुक्ल पंचमी 10:28.6 तक षष्ठी प्रारम्भ	27 शुक्ल षष्ठी 09:10.7 तक सप्तमी प्रारम्भ	28 शुक्ल सप्तमी 08:43.6 तक अष्टमी प्रारम्भ
29 शुक्ल अष्टमी 09:05.8 तक नवमी प्रारम्भ	30 शुक्ल नवमी 10:312.1 तक दशमी प्रारम्भ	31 शुक्ल दशमी 11:54.9 तक एकादशी प्रारम्भ				

माह की खगोलीय घटनाएँ

3 जनवरी – चन्द्रमा-मंगल युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं मंगल ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

23 जनवरी – चन्द्रमा-शनि युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शनि ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

23 जनवरी – चन्द्रमा-शुक्र युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

माह के शासकीय अवकाश– 26 गणतंत्र दिवस

माह के ऐच्छिक अवकाश– 05 गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म दिवस, 06 महर्षि गुरु गोकुलदास जी महाराज का जन्म दिवस, 14 मकर संक्रान्ति, 21 हेमू कालाणी का शहीदी दिवस, 26 बसन्त पंचमी, 27 देवनारायण जयन्ती, 28 नर्मदा जयन्ती

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०७९

वृषभ (Taurus)

खगोलीय रेखांश- 30^0 से 60^0

वृषभ या Taurus (लैटिन) तारामंडल राशिचक्र का दूसरा तारामंडल है। यह एक प्राचीनतम् तारामण्डल है। इसके पूर्व में मिथुन तथा पश्चिम में मेष राशि के तारे हैं। पृथ्वी के उत्तरी भाग (गोलार्ध या हेमिस्फेयर) में यह एक बड़ा और आकाश में साफ़ चमकता हुआ तारामंडल है। खगोलशास्त्रीय पुस्तकों में इसे अक्सर एक बैल या सांड के रूप में दर्शाया जाता है जो इसके नाम का भी अर्थ है। वृष तारामंडल में 19 मुख्य तारे हैं, हालांकि वैसे इसमें 132 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं।

वृषभ तारामंडल के क्षेत्र में सबसे चमकीला तारा रोहिणी (Aldebaran) है, जो लाल रंग का तारा है। यह तारा सांड के मस्तिक पर है। इसका दूसरा सब से रोशन तारा बीटा टाओरी है जिसका भारतीय नाम अग्नि है। जो एक लाल दानव तारा है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र कृतिका (तीन चौथाई), रोहणी (पूर्ण) एवं मृगशीर्ष (आधा) है। यह राशि जनवरी माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

फरवरी 2023

Magh-Falgun | February — माघ-फाल्गुन

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
			1 माघ शुक्ल एकादशी 14:02.5 तक द्वादशी प्रारम्भ	2 शुक्ल द्वादशी 16:26.6 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	3 शुक्ल त्रयोदशी 18:58.1 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	4 शुक्ल चतुर्दशी 21:30.4 तक पूर्णिमा प्रारम्भ
5 शुक्ल पूर्णिमा 23:58.2 तक माघ कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	6 माघ कृष्ण प्रथमा पूर्ण दिवस	7 कृष्ण प्रथमा 02:19.1 तक द्वितीया प्रारम्भ	8 कृष्ण द्वितीया 04:28.7 तक तृतीया प्रारम्भ	9 कृष्ण तृतीया 06:23.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ	10 कृष्ण चतुर्थी 07:58.8 तक पंचमी प्रारम्भ	11 कृष्ण पंचमी 09:08.5 तक षष्ठी प्रारम्भ
12 कृष्ण षष्ठी 09:46.2 तक सप्तमी प्रारम्भ	13 कृष्ण सप्तमी 09:46.2 तक अष्टमी प्रारम्भ	14 कृष्ण अष्टमी 09:04.4 तक नवमी प्रारम्भ	15 कृष्ण नवमी 07:39.5 तक दशमी प्रारम्भ	16 कृष्ण दशमी 05:33.1 तक एकादशी प्रारम्भ	17 कृष्ण एकादशी 02:49.6 तक द्वादशी प्रारम्भ द्वादशी 23:36.5 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	18 कृष्ण त्रयोदशी 20:02.7 तक चतुर्दशी प्रारम्भ
19 कृष्ण चतुर्दशी 16:18.8 तक अमावस्या प्रारम्भ	20 माघ कृष्ण अमावस्या 12:35.9 तक फाल्गुन शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	21 फाल्गुन शुक्ल प्रथमा 09:05.3 तक द्वितीया प्रारम्भ	22 शुक्ल द्वितीया 05:58.2 तक तृतीया प्रारम्भ	23 शुक्ल तृतीया 03:25.0 तक चतुर्थी प्रारम्भ	24 शुक्ल चतुर्थी 01:34.2 तक पंचमी प्रारम्भ	25 शुक्ल पंचमी 00:31.8 तक षष्ठी प्रारम्भ
26 शुक्ल षष्ठी 00:20.7 तक सप्तमी प्रारम्भ	27 शुक्ल सप्तमी 00:59.3 तक अष्टमी प्रारम्भ	28 शुक्ल अष्टमी 02:22.0 तक नवमी प्रारम्भ				

माह की खगोलीय घटनाएँ

18 फरवरी – चन्द्रमा–बुध युति : प्रातः सूर्योदय से पहले पूर्व दिशा में चन्द्रमा एवं बुध ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

22 फरवरी – चन्द्रमा–शुक्र युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

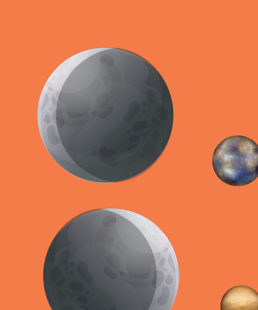

माह के शासकीय अवकाश– 18 महाशिवरात्रि

माह के ऐच्छिक अवकाश– 03 हजरत अली का जन्म दिवस, 04 स्वामी रामचरण जी महाराज का जन्म दिवस, 15 महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म दिवस, 18 एकलव्य जयंती, 24 शबरी जयन्ती

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०७९-८०

मिथुन (Gemini)

खगोलीय रेखांश- 60^0 से 90^0

मिथुन या Gemini (लैटिन) तारामंडल अक्सर दो जुड़वाँ बच्चों या नर-नारी के रूप में दर्शाया जाता है। मिथुन तारामंडल में सत्रह मुख्य तारे हैं, हालांकि इसमें दर्ज़नों तारे स्थित हैं। कैस्टर और पॉलक्स इसके सबसे रौशन तारे हैं। शक्तिशाली दूरबीन से देखने पर ज्ञात होता है कि कैस्टर वास्तव में छह तारों का मण्डल है। पॉलक्स के इर्द-गिर्द एक बड़ा ग्रह परिक्रमा करता है।

इस तारामंडल में एक मक़बूज़ा नाम का तारा भी है, जिसका बायर नाम ज़ेटा जॅमिनोरम (ζ Geminorum) है। मक़बूज़ा का द्रव्यमान हमारे सूरज से दो लाख गुना से भी अधिक है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र मृगशीर्ष (आधा), आद्रा (पूर्ण) एवं पुर्नवसु (तीन चौथाई) है। यह राशि फरवरी माह में रात्रि ९ बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

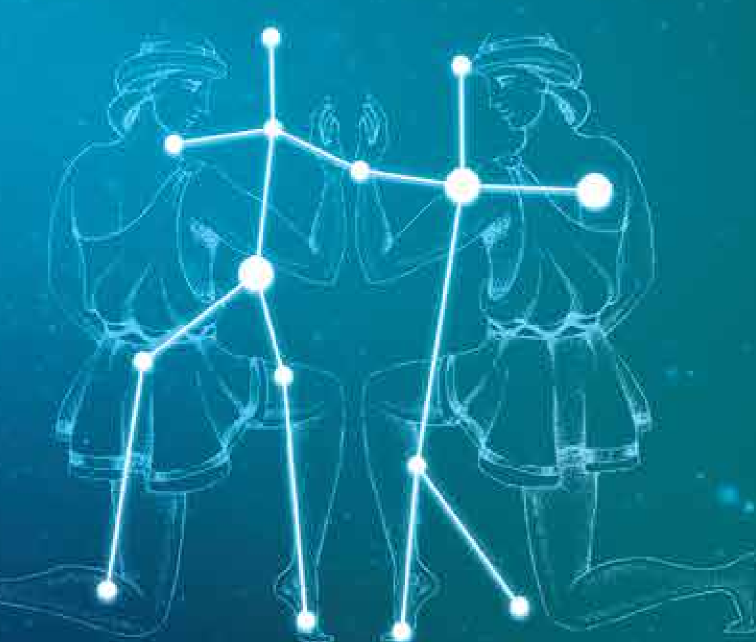

Falgun-Chaitra | March

मार्च 2023

फाल्गुन-चैत्र

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
माह की खगोलीय घटनाएँ	**2 मार्च – बृहस्पति-शुक्र युति** : सायं सूर्यास्त के बाद बृहस्पति एवं शुक्र ग्रह पश्चिम दिशा में क्षितिज से लगभग 30 अंश उपर एक साथ दिखाई देंगे। **21 मार्च – सूर्य विषुवत रेखा पर लम्बवत** होने के कारण दिन व रात बराबर (12–12 घण्टे के) होंगे।		1 **फाल्गुन शुक्ल** नवमी 04:19.4 तक **दशमी प्रारम्भ**	2 **शुक्ल** दशमी 06:40.0 तक **एकादशी प्रारम्भ**	3 **शुक्ल** एकादशी 09:11.7 तक **द्वादशी प्रारम्भ**	4 **शुक्ल** द्वादशी 11:43.7 तक **त्रयोदशी प्रारम्भ**
5 **शुक्ल** त्रयोदशी 14:07.7 तक **चतुर्दशी प्रारम्भ**	6 **शुक्ल** चतुर्दशी16:17.8 तक **पूर्णिमा प्रारम्भ**	7 **शुक्ल** पूर्णिमा 18:10.3 तक **प्रथमा प्रारम्भ**	8 **फाल्गुन कृष्ण** प्रथमा 19:43.1 तक **द्वितीया प्रारम्भ**	9 **कृष्ण** द्वितीया 20:54.6 तक **तृतीया प्रारम्भ**	10 **कृष्ण** तृतीया 21:42.9 तक **चतुर्थी प्रारम्भ**	11 **कृष्ण** चतुर्थी 22:06.1 तक **पंचमी प्रारम्भ**
12 **कृष्ण** पंचमी 22:01.8 तक **षष्ठी प्रारम्भ**	13 **कृष्ण** षष्ठी 21:27.8 तक **सप्तमी प्रारम्भ**	14 **कृष्ण** सप्तमी 20:22.6 तक **अष्टमी प्रारम्भ**	15 **कृष्ण** अष्टमी 18:46.0 तक **नवमी प्रारम्भ**	16 **कृष्ण** नवमी 16:39.7 तक **दशमी प्रारम्भ**	17 **कृष्ण** दशमी 14:07.3 तक **एकादशी प्रारम्भ**	18 **कृष्ण** एकादशी 11:14.3 तक **द्वादशी प्रारम्भ**
19 **कृष्ण** द्वादशी 08:07.7 तक **त्रयोदशी प्रारम्भ**	20 **कृष्ण** त्रयोदशी 04:55.8 तक **चतुर्दशी प्रारम्भ**	21 **फाल्गुन कृष्ण** चतुर्दशी 01:47.8 तक **अमावस्या प्रारम्भ** अमावस्या 22:53.2 तक **चैत्र शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ**	22 **चैत्र शुक्ल** प्रथमा 20:21.5 तक **द्वितीया प्रारम्भ**	23 **शुक्ल** द्वितीया 18:21.3 तक **तृतीया प्रारम्भ**	24 **शुक्ल** तृतीया 17:00.2 तक **चतुर्थी प्रारम्भ**	25 **शुक्ल** चतुर्थी 16:23.5 तक **पंचमी प्रारम्भ**
26 **शुक्ल** पंचमी 16:33.3 तक **षष्ठी प्रारम्भ**	27 **शुक्ल** षष्ठी 17:28.4 तक **सप्तमी प्रारम्भ**	28 **शुक्ल** सप्तमी 19:03.0 तक **अष्टमी प्रारम्भ**	29 **शुक्ल** अष्टमी 21:07.8 तक **नवमी प्रारम्भ**	30 **शुक्ल** नवमी 23:30.8 तक **दशमी प्रारम्भ**	31 **शुक्ल** **दशमी पूर्ण दिवस**	

माह के शासकीय अवकाश– 08 होली, 22 गुडी पडवा/महर्षि गौतम जयंती, 23 चैतीचांद (कोषागारों एवं उप-कोषागारों के लिए यह अवकाश नहीं), 30 रामनवमी

माह के ऐच्छिक अवकाश– 06 शब-ए-बारात, 07 होली (होलिका दहन), 09 भाईदूज, 18 भक्त माता कर्मा जयंती, 20 वीरांगना अवंतिबाई का बलिदान दिवस

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

कर्क (Cancer)

खगोलीय रेखांश- 90^0 से 120^0

कर्क या Cancer (लैटिन) तारामंडल काफ़ी छोटा है और इसके तारे धुंधले दिखाई देते हैं। इसकी तारों को काल्पनिक रेखाओं से जोड़ने पर केंकड़े का आकार दर्शनीय होता है। आकाश में इसके पश्चिम में मिथुन तारामंडल होता है और इसके पूर्व में सिंह तारामंडल।

इस तारामंडल में पाँच तारे मुख्य हैं, वैसे इसमें 76 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं। वैज्ञानिकों ने सन् 2010 तक इनमें से दो के इर्द-गिर्द ग्रह परिक्रमा करते हुए ढूँढ लिए थे। इनमें से एक 55 कैंक्राई नाम का तारा था जिसके ग्रहीय मंडल में 4 गैस दानव और एक भूमीय ग्रह मिल चुके थे। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र पुर्नवसु (एक चौथाई), पुष्य (पूर्ण) एवं आश्लेषा (पूर्ण) है। यह राशि मार्च माह में रात्रि 10 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

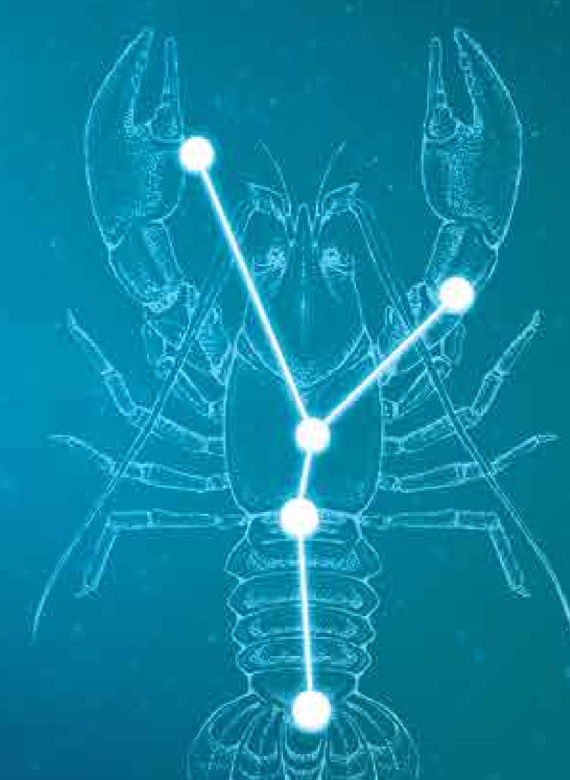

अप्रैल 2023

Chaitra-Vaisakha | April — चैत्र -वैशाख

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
30 शुक्ल दशमी 20:29.2 तक एकादशी प्रारम्भ	माह की खगोलीय घटनाएँ					1 चैत्र शुक्ल दशमी 01:59.0 तक एकादशी प्रारम्भ
2 शुक्ल एकादशी 04:20.3 तक द्वादशी प्रारम्भ	3 शुक्ल द्वादशी 06:24.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	4 शुक्ल त्रयोदशी 08:05.8 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	5 शुक्ल चतुर्दशी 09:19.5 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	6 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा 10:04.5 तक चैत्र कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	7 चैत्र कृष्ण प्रथमा 10:21.2 तक द्वितीया प्रारम्भ	8 कृष्ण द्वितीया 10:11.1 तक तृतीया प्रारम्भ
9 कृष्ण तृतीया 09:36.0 तक चतुर्थी प्रारम्भ	10 कृष्ण चतुर्थी 08:37.8 तक पंचमी प्रारम्भ	11 कृष्ण पंचमी 07:18.4 तक षष्ठी प्रारम्भ	12 कृष्ण षष्ठी 05:40.0 तक सप्तमी प्रारम्भ	13 कृष्ण सप्तमी 03:44.6 तक अष्टमी प्रारम्भ	14 कृष्ण अष्टमी 01:34.9 तक नवमी प्रारम्भ नवमी 23:13.9 तक दशमी प्रारम्भ	15 कृष्ण दशमी 20:45.7 तक एकादशी प्रारम्भ
16 कृष्ण एकादशी 18:14.9 तक द्वादशी प्रारम्भ	17 कृष्ण द्वादशी 15:46.9 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	18 कृष्ण त्रयोदशी 13:27.8 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	19 कृष्ण चतुर्दशी 11:24.2 तक अमावस्या प्रारम्भ	20 चैत्र कृष्ण अमावस्या 09:42.5 तक वैशाख शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	21 वैशाख शुक्ल प्रथमा 08:29.2 तक द्वितीया प्रारम्भ	22 शुक्ल द्वितीया 07:49.7 तक तृतीया प्रारम्भ
23 शुक्ल तृतीया 07:47.9 तक चतुर्थी प्रारम्भ	24 शुक्ल चतुर्थी 08:25.4 तक पंचमी प्रारम्भ	25 शुक्ल पंचमी 09:40.6 तक षष्ठी प्रारम्भ	26 शुक्ल षष्ठी 11:28.2 तक सप्तमी प्रारम्भ	27 शुक्ल सप्तमी 13:39.2 तक अष्टमी प्रारम्भ	28 शुक्ल अष्टमी 16:01.9 तक नवमी प्रारम्भ	29 शुक्ल नवमी 18:22.8 तक दशमी प्रारम्भ

माह की खगोलीय घटनाएँ

20 अप्रैल – पूर्ण सूर्य ग्रहण : भारत में दृश्य नहीं होगा। ग्रहण का प्रारम्भ भारतीय मानक समय के अनुसार प्रात: 07:04:5 बजे पर होगा एवं मोक्ष दोपहर 12:29:2 पर होगा।

26 अप्रैल – चन्द्रमा–मंगल युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं मंगल ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

माह के शासकीय अवकाश– 1 बैंक की वर्षिक लेखाबंदी (केवल कोषागारों एवं उप कोषागारों के लिए अवकाश), 04 महावीर जयंती, 07 गुड फ्रायडे, 14 डॉ अम्बेडकर जयंती/वैशाखी (कोषागारों एवं उप–कोषागारों के लिए यह अवकाश नहीं), 22 परशुराम जयंती/ईद–उल–फित्र

माह के ऐच्छिक अवकाश– 05 हटकेश्वर जयंती, 11 महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती, 14 विशु, 17 सेन जयंती, 20 ईद–उल–फित्र (के ठीक पूर्व का दिवस), 21 जमात–उल–विदा, 22 अक्षय तृतीया, 25 शंकराचार्य जयंती (एकात्मता दिवस/दार्शनिक दिवस)

सिंह (Leo)

खगोलीय रेखांश- 120^0 से 150^0

सिंह या Leo (लैटिन) तारामंडल के पश्चिम में धुंधला-सा कर्क तारामंडल होता है और इसके पूर्व में कन्या तारामंडल। अधिकतर संस्कृतियों के खगोल एवं ज्योतिष शास्त्र में इसे अक्सर एक बब्बर शेर के रूप में दर्शाया जाता है। सिंह तारामंडल में 92 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं।

सिंह राशि के तारों को आकाश में आसानी से पहचाना जा सकता है। इनमें से 15 मुख्य तारे हैं। मघा उर्फ़ रॅग्युलस (α Leonis) और उत्तर फाल्गुनी उर्फ़ दनअबोला (β Leonis) इनमें से दो बड़े तारे हैं। इस तारामंडल में बहुत सी मॅसिये वस्तुएँ (Messier objects) भी स्थित हैं। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र मघा (पूर्ण), पूर्वा फ़ाल्गुनी (पूर्ण) एवं उत्तरा फ़ाल्गुनी (एक चौथाई) हैं। यह राशि अप्रैल माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

मई 2023

Vaisakha- Jaistha | May — वैशाख-ज्येष्ठ

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
	1 वैशाख शुक्ल एकादशी 22:10.2 तक द्वादशी प्रारम्भ	2 शुक्ल द्वादशी 23:18.4 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	3 शुक्ल त्रयोदशी 23:50.0 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	4 शुक्ल चतुर्दशी 23:44.5 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	5 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा 23:04.0 तक वैशाख कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	6 वैशाख कृष्ण प्रथमा 21:52.7 तक द्वितीया प्रारम्भ
7 कृष्ण द्वितीया 20:15.9 तक तृतीया प्रारम्भ	8 कृष्ण तृतीया 18:19.3 तक चतुर्थी प्रारम्भ	9 कृष्ण चतुर्थी 16:08.8 तक पंचमी प्रारम्भ	10 कृष्ण पंचमी 13:50.0 तक षष्ठी प्रारम्भ	11 कृष्ण षष्ठी 11:27.9 तक सप्तमी प्रारम्भ	12 कृष्ण सप्तमी 09:07.1 तक अष्टमी प्रारम्भ	13 कृष्ण अष्टमी 06:51.2 तक नवमी प्रारम्भ
14 कृष्ण नवमी 04:43.4 तक दशमी प्रारम्भ	15 कृष्ण दशमी 02:46.7 तक एकादशी प्रारम्भ	16 कृष्ण एकादशी 01:03.6 तक द्वादशी प्रारम्भ द्वादशी 23:36.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	17 कृष्ण त्रयोदशी 22:29.0 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	18 कृष्ण चतुर्दशी 21:43.5 तक अमावस्या प्रारम्भ	19 कृष्ण अमावस्या 21:23.3 तक ज्येष्ठ शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	20 ज्येष्ठ शुक्ल प्रथमा 21:31.4 तक द्वितीया प्रारम्भ
21 शुक्ल द्वितीया 22:10.0 तक तृतीया प्रारम्भ	22 शुक्ल तृतीया 23:19.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ	23 शुक्ल चतुर्थी पूर्ण दिवस	24 शुक्ल चतुर्थी 00:58.4 तक पंचमी प्रारम्भ	25 शुक्ल पंचमी 03:01.3 तक षष्ठी प्रारम्भ	26 शुक्ल षष्ठी 05:20.1 तक सप्तमी प्रारम्भ	27 शुक्ल सप्तमी 07:43.2 तक अष्टमी प्रारम्भ
28 शुक्ल अष्टमी 09:57.4 तक नवमी प्रारम्भ	29 शुक्ल नवमी 11:49.6 तक दशमी प्रारम्भ	30 शुक्ल दशमी 13:08.5 तक एकादशी प्रारम्भ	31 शुक्ल एकादशी 13:46.4 तक द्वादशी प्रारम्भ			

माह की खगोलीय घटनाएँ

5–6 मई – प्रतिछाया चंद्रग्रहण : ग्रहण का प्रारम्भ भारतीय मानक समय के अनुसार रात्रि 08:42:03 बजे पर होगा एवं मोक्ष मध्य रात्रि 01:03:7 पर होगा। प्रतिछाया चंद्रग्रहण की ग्रहण के रूप में मान्यता नहीं है।

23 मई – चन्द्रमा–शुक्र युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

24 मई – चन्द्रमा–मंगल युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं मंगल ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

माह के शासकीय अवकाश– 05 बुध्द पूर्णिमा

माह के ऐच्छिक अवकाश– 15 केवट जयंती, 22 छत्रसाल जयन्ती/महाराणा प्रताप जयन्ती, 29 महेश जयंती

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

कन्या (Virgo)

खगोलीय रेखांश- 150° से 180°

कन्या या Virgo (लैटिन) तारामंडल के पश्चिम में सिंह तारामंडल होता है और इसके पूर्व में तुला तारामंडल। कन्या तारामंडल को आकाश में इसके सबसे रोशन तारे, चित्रा (स्पाइका) के ज़रिये ढूँढा जा सकता है, जो आसमान का 15वां सबसे चमकीला तारा है। इसका आकार कुर्सी में बैठी कन्या के रूप का माना गया है। कन्या तारामंडल में 15 मुख्य तारे हैं, वैसे इसमें 96 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनका बायर नामकरण हो चुका है।

वैज्ञानिकों को सन् 2010 तक इनमें से 20 तारों के इर्द-गिर्द 26 ग्रह परिक्रमा करते हुए मिले हैं, जो किसी भी अन्य तारामंडल से ज़्यादा हैं। खगोलीय वृत्त में क्षेत्रफल के हिसाब से यह दूसरा सबसे बड़ा तारामंडल है। सन् 2013 में इसमें सूरज की तरह के ही G-श्रेणी के 59 कन्या (59 Virginis) तारे की परिक्रमा करता हुआ एक गुलाबी रंग का गैर-सौरीय ग्रह पाया गया जो सूरज-जैसे तारों के ग्रहीय मंडलों में तब तक पाए गए ग्रहों में से सबसे कम द्रव्यमान रखता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र उत्तरा फ़ाल्गुनी (तीन चौथाई), हस्त (पूर्ण) एवं चित्रा (आधा) है। यह राशि मई माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

जून 2023

Jaistha-Ashadha | June — ज्येष्ठ-आषाढ़

माह की खगोलीय घटनाएँ

9 जून- चन्द्रमा-शनि युति : प्रात: सूर्योदय से पहले चन्द्रमा एवं शनि ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

22 जून- सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत होने के कारण उत्तरी गोलार्द्ध में दिन सबसे बडा तथा रात सबसे छोटी होगी। इस दिन स्थानीय समय 12 बजे (उज्जैन के लिए 12:28 बजे) कर्क रेखा के नजदीक स्थित म.प्र. के समस्त स्थानों पर परछाई कुछ समय के लिए शून्य हो जायेगी।

22 जून- चन्द्रमा-मंगल युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं मंगल ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
				1 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी 13:39.7 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	2 शुक्ल त्रयोदशी 12:48.8 तक चर्तुदशी प्रारम्भ	3 शुक्ल चर्तुदशी 11:17.4 तक पूर्णिमा प्रारम्भ
4 शुक्ल पूर्णिमा 09:11.7 तक ज्येष्ठ कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	5 ज्येष्ठ कृष्ण प्रथमा 06:39.5 तक द्वितीया प्रारम्भ	6 कृष्ण द्वितीया 03:49.5 तक तृतीया प्रारम्भ	7 कृष्ण तृतीया 00:50.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ चतुर्थी 21:51.2 तक पंचमी प्रारम्भ	8 कृष्ण पंचमी 18:59.3 तक षष्ठी प्रारम्भ	9 कृष्ण षष्ठी 16:21.3 तक सप्तमी प्रारम्भ	10 कृष्ण सप्तमी 14:02.4 तक अष्टमी प्रारम्भ
11 कृष्ण अष्टमी 12:06.4 तक नवमी प्रारम्भ	12 कृष्ण नवमी 10:35.2 तक दशमी प्रारम्भ	13 कृष्ण दशमी 09:29.4 तक एकदशी प्रारम्भ	14 कृष्ण एकदशी 08:48.8 तक द्वादशी प्रारम्भ	15 कृष्ण द्वादशी 08:32.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	16 कृष्ण त्रयोदशी 08:40.6 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	17 कृष्ण चतुर्दशी 09:12.0 तक अमावस्या प्रारम्भ
18 ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या 10:07.1 तक आषाढ़ शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	19 आषाढ़ शुक्ल प्रथमा 11:26.0 तक द्वितीया प्रारम्भ	20 शुक्ल द्वितीया 13:07.8 तक तृतीया प्रारम्भ	21 शुक्ल तृतीया 15:10.2 तक चतुर्थी प्रारम्भ	22 शुक्ल चतुर्थी 17:28.4 तक पंचमी प्रारम्भ	23 शुक्ल पंचमी 19:54.5 तक षष्ठी प्रारम्भ	24 शुक्ल षष्ठी 22:17.8 तक सप्तमी प्रारम्भ
25 शुक्ल सप्तमी पूर्ण दिवस	26 शुक्ल सप्तमी 00:25.6 तक अष्टमी प्रारम्भ	27 शुक्ल अष्टमी 02:05.2 तक नवमी प्रारम्भ	28 शुक्ल नवमी 03:05.6 तक दशमी प्रारम्भ	29 शुक्ल दशमी 03:19.2 तक एकादशी प्रारम्भ	30 शुक्ल एकादशी 02:42.7 तक द्वादशी प्रारम्भ	

माह के शासकीय अवकाश – 29 ईदुज़्ज़ुहा

माह के ऐच्छिक अवकाश– 02 बड़ा महादेव पूजन, 20 रथयात्रा, 24 वीरांगना दुर्गावती का बलिदान दिवस, 27 ईद–उल–अदहा (ईदुज़्ज़ुहा के ठीक पूर्व का दिवस)

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

तुला (Libra)

खगोलीय रेखांश- 180⁰ से 210⁰

तुला या Libra (लैटिन) तारामंडल को अधिकतर देशों की प्राचीन खगोलशास्त्रीय पुस्तकों में अक्सर एक तराज़ू के रूप में दर्शाया जाता था। सूर्य जब तुला राशि में पहुँचता है तो दिन-रात बराबर होते हैं। इसीलिए इसे तुला यानि समान दिन-रात वाली राशि का नाम दिया गया है। यह तारामंडल काफ़ी धुंधला है और इसके तारे पृथ्वी से ज़्यादा रौशन नहीं लगते। इसमें शामिल ग्लीज़ 581 तारे का अपना 6 ग्रहों वाला ग्रहीय मण्डल है, जिसमें से एक उस तारे के वासयोग्य क्षेत्र में स्थित है।

तुला तारामंडल में छह मुख्य तारे हैं और इसमें 46 तारे ज्ञात हैं। इसके चार सबसे रौशन तारे एक चकोर बनाते हैं जिनके नाम हैं - अल्फ़ा लीब्राए, बीटा लीब्राए, गामा लीब्राए, सिग्मा लीब्राए। अल्फ़ा लीब्राए और बीटा लीब्राए संस्कृत में विशाख नामक नक्षत्र कहलाते हैं। प्राचीन अथर्व वेद में यह दो तारे समृद्धि के प्रतीक माने गए हैं। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र चित्रा (आधा), स्वाति (पूर्ण) एवं विशाखा (तीन चौथाई) है। यह राशि जून माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

जुलाई 2023

Ashadha-Sravana | July — आषाढ़-श्रावण

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
30 शुक्ल द्वादशी 10:34.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	**31** शुक्ल त्रयोदशी 07:27.1 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	**माह की खगोलीय घटनाएँ**	**11 जुलाई - चन्द्रमा-बृहस्पति युति :** प्रात: सूर्योदय से पहले चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।	**20 जुलाई - चन्द्रमा-शुक्र युति :** सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।		**1** आषाढ़ शुक्ल द्वादशी 01:17.3 तक त्रयोदशी प्रारम्भ त्रयोदशी 23:07.8 तक चतुर्दशी प्रारम्भ
2 शुक्ल चतुर्दशी 20:21.8 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	**3** आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 17:08.6 तक आषाढ़ कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	**4** आषाढ़ कृष्ण प्रथमा 13:38.7 तक द्वितीया प्रारम्भ	**5** कृष्ण द्वितीया 10:02.6 तक तृतीया प्रारम्भ	**6** कृष्ण तृतीया 06:30.8 तक चतुर्थी प्रारम्भ	**7** कृष्ण चतुर्थी 03:13.1 तक पंचमी प्रारम्भ	**8** कृष्ण पंचमी 00:18.0 तक षष्ठी प्रारम्भ षष्ठी 21:52.2 तक सप्तमी प्रारम्भ
9 कृष्ण सप्तमी 20:00.3 तक अष्टमी प्रारम्भ	**10** कृष्ण अष्टमी 18:44.7 तक नवमी प्रारम्भ	**11** कृष्ण नवमी 18:05.3 तक दशमी प्रारम्भ	**12** कृष्ण दशमी 18:00.0 तक एकादशी प्रारम्भ	**13** कृष्ण एकादशी 18:25.4 तक द्वादशी प्रारम्भ	**14** कृष्ण द्वादशी 19:17.6 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	**15** कृष्ण त्रयोदशी 20:33.0 तक चतुर्दशी प्रारम्भ
16 कृष्ण चतुर्दशी 22:08.5 तक अमावस्या प्रारम्भ	**17** कृष्ण अमावस्या पूर्ण दिवस	**18** कृष्ण अमावस्या 00:01.8 तक श्रावण शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	**19** श्रावण शुक्ल प्रथमा 02:10.4 तक द्वितीया प्रारम्भ	**20** शुक्ल द्वितीया 04:31.0 तक तृतीया प्रारम्भ	**21** शुक्ल तृतीया 06:58.9 तक चतुर्थी प्रारम्भ	**22** शुक्ल चतुर्थी 09:26.8 तक पंचमी प्रारम्भ
23 शुक्ल पंचमी 11:45.3 तक षष्ठी प्रारम्भ	**24** शुक्ल षष्ठी 13:43.2 तक सप्तमी प्रारम्भ	**25** शुक्ल सप्तमी 15:09.1 तक अष्टमी प्रारम्भ	**26** शुक्ल अष्टमी 15:52.9 तक नवमी प्रारम्भ	**27** शुक्ल नवमी 15:48.1 तक दशमी प्रारम्भ	**28** शुक्ल दशमी 14:51.8 तक एकादशी प्रारम्भ	**29** शुक्ल एकादशी 13:05.6 तक द्वादशी प्रारम्भ

माह के शासकीय अवकाश – 29 मोहर्रम

माह के ऐच्छिक अवकाश– 03 गुरूपूर्णिमा, 06 गदोर–ए–खुम, 27 योम–ए–अशुरा

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

वृश्चिक (Scorpio)

खगोलीय रेखांश- 210^0 से 240^0

वृश्चिक या Scorpio या Scorpius (लैटिन) तारामंडल बिच्छु के आकार का तारामंडल है। आकाश में इसके पश्चिम में तुला तारामंडल होता है और इसके पूर्व में धनु तारामंडल। यह एक बड़ा तारामंडल है जो खगोलीय वृत के दक्षिणी भाग में आकाशगंगा (हमारी गैलेक्सी) के बीच में स्थित है। वृश्चिक राशि के तारे सूर्य पथ के सबसे अधिक दक्षिण में हैं।

वृश्चिक तारामंडल में 15 मुख्य तारे हैं, हालांकि इसमें 47 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं। वैज्ञानिकों ने इनमें से 13 तारों के इर्द-गिर्द 26 ग्रह परिक्रमा करते हुए खोजे हैं। इस तारामंडल में बहुत से तेज रौशन तारे हैं, जैसे की ज्येष्ठा (अन्तारॅस, α Sco), ग्राफियास (β1 Sco), मूल तारा (λ Sco), जुबहा (δ Sco), सरगस (θ Sco), आदि। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र विशाखा (एक चौथाई), अनुराधा (पूर्ण) एवं ज्येष्ठा (पूर्ण) है। यह राशि जुलाई माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

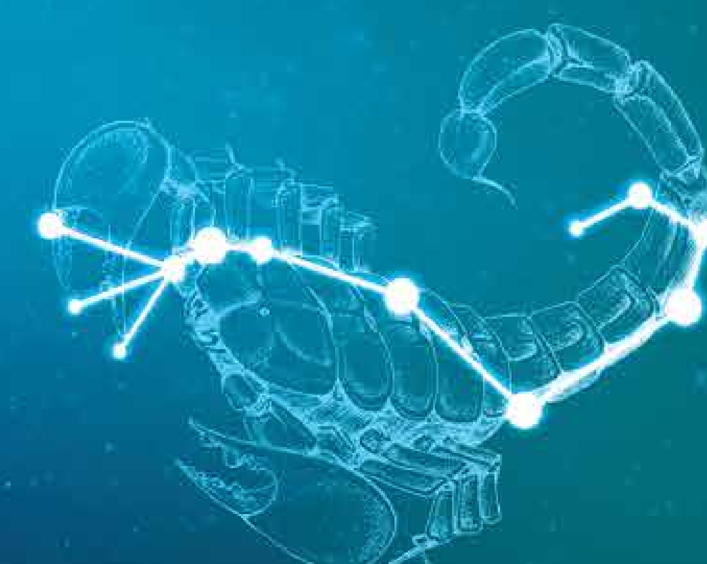

Sravan-Adhimaas Sravan | August

अगस्त 2023

श्रावण-अधिमास श्रावण

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
माह की खगोलीय घटनाएँ **8 अगस्त- चन्द्रमा-बृहस्पति युति :** प्रात: सूर्योदय से पहले चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह एक साथ दिखाई देंगे। **27 अगस्त- सूर्य-शनि प्रतियोग :** सायं सूर्यास्त के बाद शनि पूर्व दिशा में सूर्य से 180 अंश पर दिखाई देगा।		1 **श्रावण शुक्ल** चतुर्दशी 03:52.4 तक **पूर्णिमा प्रारम्भ**	2 **श्रावण कृष्ण** पूर्णिमा 00:01.6 तक **प्रथमा प्रारम्भ** प्रथमा 20:06.2 तक **द्वितीया प्रारम्भ**	3 **कृष्ण** द्वितीया 16:17.3 तक **तृतीया प्रारम्भ**	4 **कृष्ण** तृतीया 12:45.6 तक **चतुर्थी प्रारम्भ**	5 **कृष्ण** चतुर्थी 09:40.6 तक **पंचमी प्रारम्भ**
6 **कृष्ण** पंचमी 07:10.4 तक **षष्ठी प्रारम्भ**	7 **कृष्ण** षष्ठी 05:20.8 तक **सप्तमी प्रारम्भ**	8 **कृष्ण** सप्तमी 04:14.9 तक **अष्टमी प्रारम्भ**	9 **कृष्ण** अष्टमी 03:52.8 तक **नवमी प्रारम्भ**	10 **कृष्ण** नवमी 04:11.8 तक **दशमी प्रारम्भ**	11 **कृष्ण** दशमी 05:06.9 तक **एकादशी प्रारम्भ**	12 **कृष्ण** एकादशी 06:32.0 तक **द्वादशी प्रारम्भ**
13 **कृष्ण** द्वादशी 08:20.3 तक **त्रयोदशी प्रारम्भ**	14 **कृष्ण** त्रयोदशी 10:25.9 तक **चतुर्दशी प्रारम्भ**	15 **कृष्ण** चतुर्दशी 12:43.3 तक **अमावस्या प्रारम्भ**	16 **श्रावण कृष्ण** अमावस्या 15:08.2 तक **अधिमास श्रावण शुक्ल** **प्रथमा प्रारम्भ**	17 **अधिमास श्रावण शुक्ल** प्रथमा 17:36.1 तक **द्वितीया प्रारम्भ**	18 **शुक्ल** द्वितीया 20:02.1 तक **तृतीया प्रारम्भ**	19 **शुक्ल** तृतीया 20:02.1 तक **चतुर्थी प्रारम्भ**
20 **शुक्ल** **चतुर्थी पूर्ण दिवस**	21 **शुक्ल** चतुर्थी 00:22.5 तक **पंचमी प्रारम्भ**	22 **शुक्ल** पंचमी 02:00.9 तक **षष्ठी प्रारम्भ**	23 **शुक्ल** षष्ठी 03:06.5 तक **सप्तमी प्रारम्भ**	24 **शुक्ल** सप्तमी 03:31.6 तक **अष्टमी प्रारम्भ**	25 **शुक्ल** अष्टमी 03:11.0 तक **नवमी प्रारम्भ**	26 **शुक्ल** नवमी 02:02.9 तक **दशमी प्रारम्भ**
27 **शुक्ल** दशमी 00:08.6 तक **एकादशी प्रारम्भ** एकादशी 21:32.9 तक **द्वादशी प्रारम्भ**	28 **शुक्ल** द्वादशी 18:23.1 तक **त्रयोदशी प्रारम्भ**	29 **शुक्ल** त्रयोदशी 14:48.4 तक **चतुर्दशी प्रारम्भ**	30 **शुक्ल** चतुर्दशी 10:59.0 तक **पूर्णिमा प्रारम्भ**	31 **अधिमास श्रावण शुक्ल** पूर्णिमा 07:05.6 तक **अधिमास श्रावण कृष्ण** **प्रथमा प्रारम्भ**	**माह की खगोलीय घटनाएँ** **30 अगस्त- चन्द्रमा-शनि युति :** सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं शनि ग्रह पास-पास दिखाई देंगे।	

माह के शासकीय अवकाश- 15 स्वतंत्रता दिवस, 30 रक्षाबंधन (कोषागारों एवं उप-कोषागारों के लिए यह अवकाश नहीं)।

माह के ऐच्छिक अवकाश- 05 बलराम जयंती, 09 जनजातीय दिवस, 16 पारसी नववर्ष दिवस, 21 नागपंचमी, 23 गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, 29 ओणम।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

धनु (Sagittarius)

खगोलीय रेखांश- 240⁰ से 270⁰

धनु या Sagittarius (लैटिन) तारामंडल हमारी गैलेक्सी के केंद्रीय हिस्से में आता है। इस तारामंडल को एक धनुर्धारी (घोड़े के धड़ और इंसान के सिर वाले) वाले व्यक्ति के रूप में दर्शाया जाता है। धनु की दिशा में आकाशगंगा का केन्द्र है। धनु तारामंडल में स्थित धनु ए (Sagittarius A) नामक खगोलीय रेडियो स्रोत है जो कि एक विशालकाय ब्लैक होल का घर माना जाता है।

धनु तारामंडल में दर्ज़नों तारे स्थित हैं पर इनमें से मुख्य तारे बारह हैं। इस तारामंडल के कुछ तारे मिलकर इसके अन्दर एक चायदानी की आकृति बनाते हैं। क्योंकि इस तारामंडल में हमारी गैलेक्सी, आकाशगंगा का केंद्र भी पड़ता है इसलिए इसमें बहुत सी निहारीकाएँ भी दिखती हैं। धनु राशि तारागुच्छों और निहारिकाओं से परिपूर्ण है। जिनमें से एक मस्सियर 55 नाम के तारासमूह का प्रकाश प्रबल है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र मूल (पूर्ण), पूर्वा पूर्वाषाढ़ा (पूर्ण) एवं उत्तराषाढ़ा (एक चौथाई) है। यह राशि अगस्त माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

सितम्बर 2023

Adhimaas Sravan-Bhadra | September

अधिमास श्रावण-भाद्र

माह की खगोलीय घटनाएँ

4 सितम्बर – चन्द्रमा–बृहस्पति युति : सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह पास–पास दिखाई देंगे।

11 सितम्बर – चन्द्रमा–शुक्र युति : प्रातः सूर्योदय से पहले चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

23 सितम्बर – सूर्य विषुवत रेखा पर लम्बवत होने के कारण दिन व रात बराबर (12–12 घण्टे के) होंगे।

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
					1 अधिमास श्रावण कृष्ण प्रथमा 03:19.4 तक द्वितीया प्रारम्भ द्वितीया 23:50.9 तक तृतीया प्रारम्भ	2 कृष्ण तृतीया 20:50.0 तक चतुर्थी प्रारम्भ
3 कृष्ण चतुर्थी 18:25.0 तक पंचमी प्रारम्भ	4 कृष्ण पंचमी 16:42.5 तक षष्ठी प्रारम्भ	5 कृष्ण षष्ठी 15:46.6 तक सप्तमी प्रारम्भ	6 कृष्ण सप्तमी 15:38.1 तक अष्टमी प्रारम्भ	7 कृष्ण अष्टमी 16:14.7 तक नवमी प्रारम्भ	8 कृष्ण नवमी 17:30.8 तक दशमी प्रारम्भ	9 कृष्ण दशमी 19:18.6 तक एकादशी प्रारम्भ
10 कृष्ण एकादशी 21:28.9 तक द्वादशी प्रारम्भ	11 कृष्ण द्वादशी 23:52.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	12 कृष्ण त्रयोदशी पूर्ण दिवस	13 कृष्ण त्रयोदशी 02:21.9 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	14 कृष्ण चतुर्दशी 04:49.5 तक अमावस्या प्रारम्भ	15 अधिमास श्रावण कृष्ण आमवस्या 07:09.8 तक भाद्रपद शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	16 भाद्रपद शुक्ल प्रथमा 09:18.0 तक द्वितीया प्रारम्भ
17 शुक्ल द्वितीया 11:09.5 तक तृतीया प्रारम्भ	18 शुक्ल तृतीया 12:39.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ	19 शुक्ल चतुर्थी 13:43.6 तक पंचमी प्रारम्भ	20 शुक्ल पंचमी 14:16.7 तक षष्ठी प्रारम्भ	21 शुक्ल षष्ठी 14:15.0 तक सप्तमी प्रारम्भ	22 शुक्ल सप्तमी 13:35.8 तक अष्टमी प्रारम्भ	23 शुक्ल अष्टमी 12:18.2 तक नवमी प्रारम्भ
24 शुक्ल नवमी 10:23.8 तक दशमी प्रारम्भ	25 शुक्ल दशमी 07:56.2 तक एकादशी प्रारम्भ	26 शुक्ल एकादशी 05:01.2 तक द्वादशी प्रारम्भ	27 शुक्ल द्वादशी 01:46.0 तक त्रयोदशी प्रारम्भ त्रयोदशी 22:19.1 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	28 शुक्ल चतुर्दशी 18:49.8 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	29 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा 15:27.6 तक भाद्रपद कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	30 भाद्रपद कृष्ण प्रथमा 12:22.0 तक द्वितीया प्रारम्भ

माह के शासकीय अवकाश– 07 जन्माष्टमी, 28 मिलाद–उन–नबी (कोषागारों एवं उप–कोषागारों के लिए 07 व 28 का अवकाश नहीं)

माह के ऐच्छिक अवकाश– 18 राजा शंकर शाह तथा रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस, 19 गणेश चतुर्थी, 22 नवाखाई, 25 डोलग्यारस, 28 अनन्त चतुर्दशी

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

मकर (Capricorn)

खगोलीय रेखांश- 270⁰ से 300⁰

मकर या Capricorn या Capricornus (लैटिन) तारामंडल एक विशाल सींगों वाले बकरे के रूप में या एक ऐसे जीव के रूप में जो आधा बकरा और आधा शार्क मछली हो दर्शाया जाता है। आजकल इसे मगरमच्छ के रूप में जाना जाता है। आकाश में इसके पश्चिम में धनु तारामंडल होता है और इसके पूर्व में कुम्भ तारामंडल। दूसरी शताब्दी ईसवी में रोमन भूगोलवेत्ता टॉलमी ने जिन 48 तारामंडलों की सूची बनाई थी यह उनमें से एक है और अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ द्वारा जारी की गई 88 तारामंडलों की सूची में भी यह शामिल है।

मकर तारामंडल आकाश में काफ़ी धुंधला नज़र आता है। कर्क तारामंडल के बाद राशिचक्र का दूसरा सबसे धुंधला तारामंडल है। मकर तारामंडल में मुख्य तारे 13 हैं और इसमें 49 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं। इस तारामंडल के कुछ प्रमुख तारे अल्गेडी (α Capricorni), प्राइमा गेडी (α1 Capricorni), सेकुन्डा गेडी (α2 Capricorni) और दबीह (β Capricorni) हैं। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र उत्तराषाढ़ा (तीन चौथाई), श्रवण (पूर्ण) एवं धनिष्ठा (आधा) है। यह राशि सितंबर माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

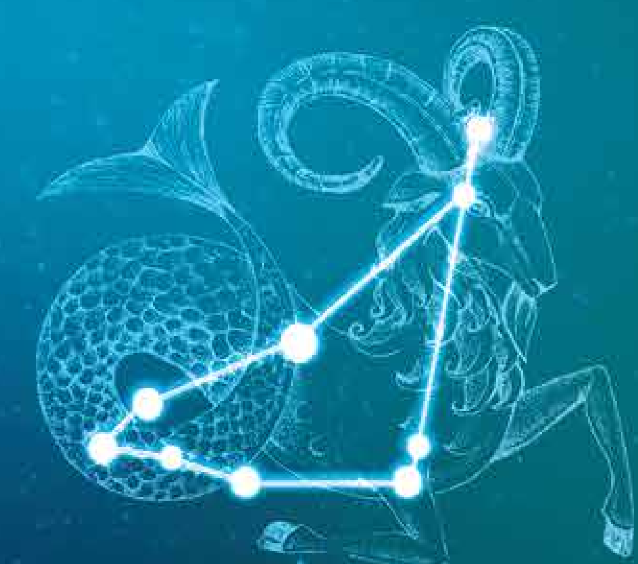

अक्टूबर 2023

Bhadra-Asvina | October

भाद्र-आश्विन

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
1 भाद्रपद कृष्ण द्वितीया 09:42.3 तक तृतीया प्रारम्भ	2 कृष्ण तृतीया 07:36.8 तक चतुर्थी प्रारम्भ	3 कृष्ण चतुर्थी 06:12.3 तक पंचमी प्रारम्भ	4 कृष्ण पंचमी 05:33.4 तक षष्ठी प्रारम्भ	5 कृष्ण षष्ठी 05:41.8 तक सप्तमी प्रारम्भ	6 कृष्ण सप्तमी 06:35.5 तक अष्टमी प्रारम्भ	7 कृष्ण अष्टमी 08:08.9 तक नवमी प्रारम्भ
8 कृष्ण नवमी 10:13.2 तक दशमी प्रारम्भ	9 कृष्ण दशमी 12:37.2 तक एकादशी प्रारम्भ	10 कृष्ण एकादशी 15:09.1 तक द्वादशी प्रारम्भ	11 कृष्ण द्वादशी 17:37.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	12 कृष्ण त्रयोदशी 19:54.1 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	13 कृष्ण चतुर्दशी 21:51.4 तक अमावस्या प्रारम्भ	14 भाद्रपद कृष्ण अमावस्या 23:25.1 तक आश्विन शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ
15 आश्विन शुक्ल प्रथमा पूर्ण दिवस	16 शुक्ल प्रथमा 00:32.9 तक द्वितीया प्रारम्भ	17 शुक्ल द्वितीया 01:13.6 तक तृतीया प्रारम्भ	18 शुक्ल तृतीया 01:26.9 तक चतुर्थी प्रारम्भ	19 शुक्ल चतुर्थी 01:12.9 तक पंचमी प्रारम्भ	20 शुक्ल पंचमी 00:32.1 तक षष्ठी प्रारम्भ षष्ठी 23:25.3 तक सप्तमी प्रारम्भ	21 शुक्ल सप्तमी 21:53.8 तक अष्टमी प्रारम्भ
22 शुक्ल अष्टमी 19:59.5 तक नवमी प्रारम्भ	23 शुक्ल नवमी 17:45.2 तक दशमी प्रारम्भ	24 शुक्ल दशमी 15:14.7 तक एकादशी प्रारम्भ	25 शुक्ल एकादशी 12:32.6 तक द्वादशी प्रारम्भ	26 शुक्ल द्वादशी 09:44.6 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	27 शुक्ल त्रयोदशी 06:57.3 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	28 शुक्ल चतुर्दशी 04:17.9 तक पूर्णिमा प्रारम्भ
29 आश्विन शुक्ल पूर्णिमा 01:54.1 तक आश्विन कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ प्रथमा 23:53.5 तक द्वितीया प्रारम्भ	30 आश्विन कृष्ण द्वितीया 22:23.5 तक तृतीया प्रारम्भ	31 कृष्ण तृतीया 21:30.8 तक चतुर्थी प्रारम्भ				

माह की खगोलीय घटनाएँ

10 अक्टूबर- चन्द्रमा-शुक्र युति : प्रातः सूर्योदय से पहले चन्द्रमा एवं शुक्र ग्रह एक साथ दिखाई देंगे।

14-15 अक्टूबर - कंकणाकृति सूर्य ग्रहण : भारत में दृश्य नहीं होगा। ग्रहण का प्रारम्भ भारतीय मानक समय के अनुसार रात्रि 08:33:9 बजे पर होगा एवं मोक्ष मध्य रात्रि 02:25:2 पर होगा।

28-29 अक्टूबर - आंशिक चन्द्र ग्रहण : भारत में दृश्य होगा। ग्रहण का प्रारम्भ भारतीय मानक समय के अनुसार मध्य रात्रि 01:04:8 बजे पर होगा एवं मोक्ष मध्य रात्रि 02:23:5 पर होगा।

माह के शासकीय अवकाश- 02 गांधी जयंती, 24 दशहरा (विजयादशमी), 28 महर्षि वाल्मीकी जयंती (कोषागारों एवं उप-कोषागारों के लिए यह अवकाश नहीं)

माह के ऐच्छिक अवकाश- 13 प्राणनाथ जयंती, 14 सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या, 23 दशहरा (महानवमी), 28 महाराज अजमोढ़ देव जयंती/टेकचंद जी महाराज का समाधि उत्सव

कुम्भ (Aquarius)

खगोलीय रेखांश- 300^0 से 330^0

कुम्भ या Aquarius (लैटिन) तारामंडल को विभिन्न देशों में एक भिश्ती के रूप में, एक बर्तन (घड़े या जल कुंभ) के रूप में या एक बर्तन उठाती हुई कन्या के रूप में या घड़े से गिरने वाली जलधारा के रूप में दर्शाया जाता है। आकाश में इसके पश्चिम में मकर तारामंडल होता है और इसके पूर्व में मीन तारामंडल। इस मण्डल के तारे ज्यादा स्पष्ट नहीं हैं। दूसरी शताब्दी ईसवी में खगोलवेत्ता टॉलमी ने जिन 48 तारामंडलों की सूची बनाई थी यह उनमें से एक है। कुम्भ तारामंडल में 22 मुख्य तारे हैं और इसमें 97 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनको बायर नाम दिए जा चुके हैं। वैज्ञानिकों को सन् 2010 तक इनमें से 8 तारों के इर्द-गिर्द ग्रह परिक्रमा करते मिले थे।

इन ग़ैर-सौरीय ग्रहों वाले तारों में यह शामिल हैं- गलीज़ 876 - यह पहला लाल बौना तारा था जिसके इर्द-गिर्द एक ग्रहीय मंडल मिला था। इसके मंडल में 4 ज्ञात ग्रह हैं, जिनमे से एक पृथ्वी जैसा (लेकिन पृथ्वी से 6.6 गुना बड़ा) भूमीय ग्रह है। 91 अक्वेरियाई - यह एक नारंगी दानव तारा है जिसके इर्द-गिर्द एक बृहस्पति से 2.9 गुना बड़ा ग्रह परिक्रमा कर रहा है। गलीज़ 849 - जिसके इर्द-गिर्द एक बृहस्पति से 0.82 गुना द्रव्यमान (मास) वाला ग्रह परिक्रमा कर रहा है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र धनिष्ठा (आधा), शतभिषा (पूर्ण) एवं पूर्वभाद्रपद (तीन चौथाई) है। यह राशि अक्टूबर माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

Asvina-Kartik | November — नवम्बर 2023 — आश्विन-कार्तिक

माह की खगोलीय घटनाएँ

3 नवम्बर- सूर्य-बृहस्पति प्रतियोग – सायं सूर्यास्त के बाद बृहस्पति पूर्व दिशा में सूर्य से 180 अंश पर दिखाई देगा।

25 नवम्बर- चन्द्रमा-बृहस्पति युति – सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह पास-पास दिखाई देंगे।

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
			1 आश्विन कृष्ण चतुर्थी 21:19.8 तक पंचमी प्रारम्भ	2 कृष्ण पंचमी 21:52.8 तक षष्ठी प्रारम्भ	3 कृष्ण षष्ठी 23:08.1 तक सप्तमी प्रारम्भ	4 कृष्ण सप्तमी पूर्ण दिवस
5 कृष्ण सप्तमी 01:00.0 तक अष्टमी प्रारम्भ	6 कृष्ण अष्टमी 03:18.8 तक नवमी प्रारम्भ	7 कृष्ण नवमी 05:51.4 तक दशमी प्रारम्भ	8 कृष्ण दशमी 08:23.7 तक एकादशी प्रारम्भ	9 कृष्ण एकादशी 10:42.1 तक द्वादशी प्रारम्भ	10 कृष्ण द्वादशी 12:36.0 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	11 कृष्ण त्रयोदशी 13:58.5 तक चतुर्दशी प्रारम्भ
12 आश्विन कृष्ण चतुर्दशी 14:45.3 तक अमावस्या प्रारम्भ	13 आश्विन कृष्ण अमावस्या 14:57.3 तक कार्तिक शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	14 कार्तिक शुक्ल प्रथमा 4:36.8 तक द्वितीया प्रारम्भ	15 शुक्ल द्वितीया 13:47.8 तक तृतीया प्रारम्भ	16 शुक्ल तृतीया 12:35.2 तक चतुर्थी प्रारम्भ	17 शुक्ल चतुर्थी 11:04.0 तक पंचमी प्रारम्भ	18 शुक्ल पंचमी 09:18.8 तक षष्ठी प्रारम्भ
19 शुक्ल षष्ठी 07:23.8 तक सप्तमी प्रारम्भ	20 शुक्ल सप्तमी 05:22.2 तक अष्टमी प्रारम्भ	21 शुक्ल अष्टमी 03:16.9 तक नवमी प्रारम्भ	22 शुक्ल नवमी 01:10.3 तक दशमी प्रारम्भ दशमी 23:04.6 तक एकादशी प्रारम्भ	23 शुक्ल एकादशी 21:02.5 तक द्वादशी प्रारम्भ	24 शुक्ल द्वादशी 19:07.2 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	25 शुक्ल त्रयोदशी 17:22.7 तक चतुर्दशी प्रारम्भ
26 शुक्ल चतुर्दशी 15:53.9 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	27 कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा 14:46.3 तक कार्तिक कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	28 कृष्ण प्रथमा 14:05.7 तक द्वितीया प्रारम्भ	29 कृष्ण द्वितीया 13:57.4 तक तृतीया प्रारम्भ	30 कृष्ण तृतीया 14:25.6 तक चतुर्थी प्रारम्भ		

माह के शासकीय अवकाश– 15 राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस (भगवान बिरसा मुण्डा जयंती) (कोषागारों एवं उप–कोषागारों के लिए यह अवकाश नहीं), 27 गुरुनानक जयंती

माह के ऐच्छिक अवकाश– 01 करवाचौथ पर्व, 03 डॉ सैय्यदना साहब का जन्म दिवस, 11 दीपावली (दक्षिण भारतीय), 13 दीपावली का दूसरा दिन, 15 भाईदूज, 22 झलकारी जयंती, 23 नामदेव जयंती, 24 गुरू तेगबहादुर का शहीदी दिवस

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

शासकीय जीवाजी वेधशाला, उज्जैन कैलेण्डर

वर्ष 2023 | विक्रम संवत् २०८०

मीन (Pisces)

खगोलीय रेखांश- 330° से 360°

मीन या Pisces(लैटिन) तारामंडल खगोलशास्त्रीय वर्ग में अधिकतर मछली के जोड़े के रूप में दर्शाया जाता है। एक मछली का मुख पश्चिम की ओर तथा दूसरी का उत्तर की ओर है। आकाश में इसके पश्चिम में कुम्भ तारामंडल होता है और इसके पूर्व में मेष तारामंडल। मीन तारामंडल में 86 ज्ञात तारे स्थित हैं जिनमें से 21 मुख्य तारे हैं।

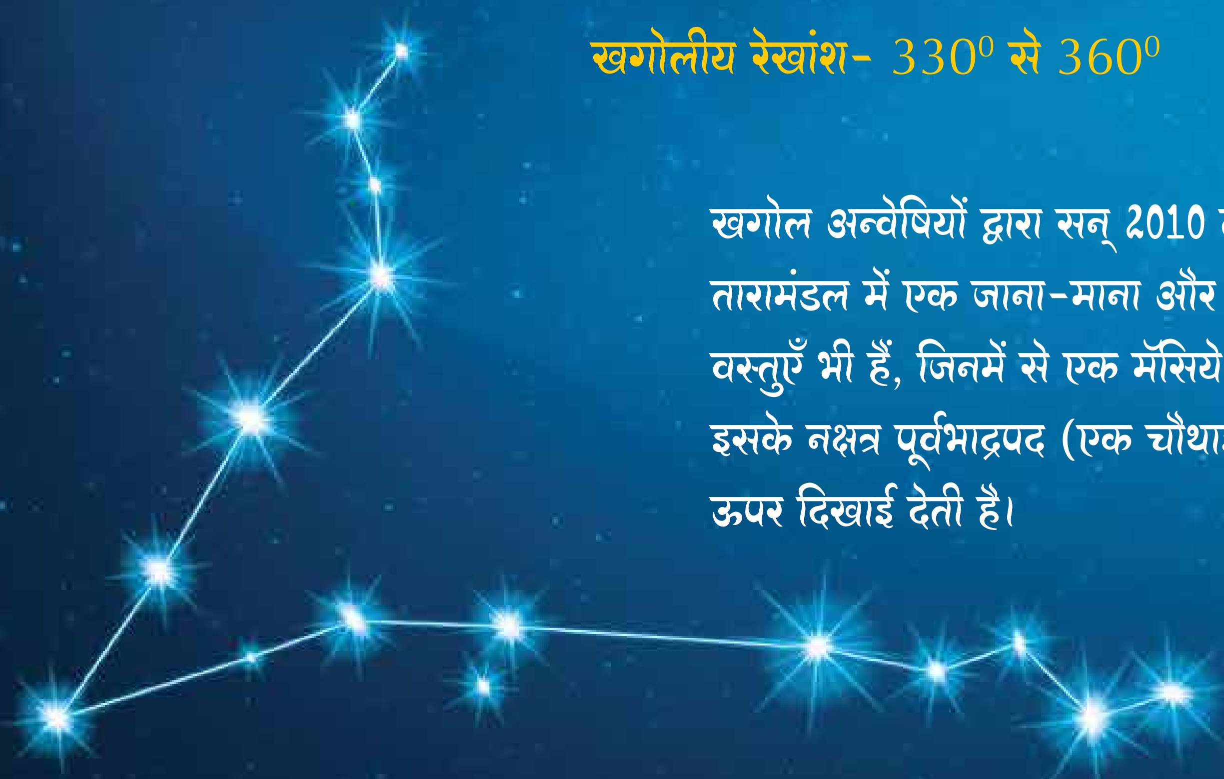

खगोल अन्वेषियों द्वारा सन् 2010 तक इनमें से 10 तारों के इर्द-गिर्द ग्रह परिक्रमा करते हुए खोजे गए थे। इस तारामंडल में एक जाना-माना और महत्वपूर्ण वैन मानॅन नाम का सफ़ेद बौना तारा है। कुम्भ तारामंडल में कुछ मॅसिये वस्तुएँ भी हैं, जिनमें से एक मॅसिये 74 नाम की सर्पिल-आकार की आकाशगंगा भी है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार इसके नक्षत्र पूर्वभाद्रपद (एक चौथाई), पुष्य (पूर्ण) एवं रेवती (पूर्ण) है। यह राशि नवंबर माह में रात्रि 9 बजे सिर के ऊपर दिखाई देती है।

Kartik-Agrahayan | December

दिसम्बर 2023

कार्तिक-अग्रहायण

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरूवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
31 कृष्ण चतुर्थी 11:56.1 तक पंचमी प्रारम्भ	**माह की खगोलीय घटनाएँ** **22 दिसम्बर – चन्द्रमा–बृहस्पति युति :** सायं सूर्यास्त के बाद चन्द्रमा एवं बृहस्पति ग्रह पास–पास दिखाई देंगे। **22 दिसम्बर – सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत** होने के कारण उत्तरी गोलार्द्ध में दिन सबसे छोटा तथा रात सबसे बड़ी होगी। इस दिन स्थानीय समय 12 बजे मकर रेखा के नजदीक स्थित समस्त स्थानों पर परछाईं कुछ समय के लिए शून्य हो जायेगी।				1 कार्तिक कृष्ण चतुर्थी 15:31.9 तक पंचमी प्रारम्भ	2 कृष्ण पंचमी 17:14.7 तक षष्ठी प्रारम्भ
3 कृष्ण षष्ठी 19:27.7 तक सप्तमी प्रारम्भ	4 कृष्ण सप्तमी 22:00.1 तक अष्टमी प्रारम्भ	5 कृष्ण अष्टमी पूर्ण दिवस	6 कृष्ण अष्टमी 00:37.8 तक नवमी प्रारम्भ	7 कृष्ण नवमी 03:04.9 तक दशमी प्रारम्भ	8 कृष्ण दशमी 05:06.7 तक एकादशी प्रारम्भ	9 कृष्ण एकादशी 06:31.9 तक द्वादशी प्रारम्भ
10 कृष्ण द्वादशी 07:13.8 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	11 कृष्ण त्रयोदशी 07:10.6 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	12 कृष्ण चतुर्दशी 06:24.8 तक अमावस्या प्रारम्भ	13 कार्तिक कृष्ण अमावस्या 05:02.0 तक अग्रहायण शुक्ल प्रथमा प्रारम्भ	14 अग्रहायण शुक्ल प्रथमा 03:09.7 तक द्वितीया प्रारम्भ	15 शुक्ल द्वितीया 00:56.5 तक तृतीया प्रारम्भ तृतीया 22:30.9 तक चतुर्थी प्रारम्भ	16 शुक्ल चतुर्थी 20:01.0 तक पंचमी प्रारम्भ
17 शुक्ल पंचमी 17:33.7 तक षष्ठी प्रारम्भ	18 शुक्ल षष्ठी 15:14.5 तक सप्तमी प्रारम्भ	19 शुक्ल सप्तमी 13:07.4 तक अष्टमी प्रारम्भ	20 शुक्ल अष्टमी 11:14.9 तक नवमी प्रारम्भ	21 शुक्ल नवमी 09:38.0 तक दशमी प्रारम्भ	22 शुक्ल दशमी 08:17.1 तक एकादशी प्रारम्भ	23 शुक्ल एकादशी 07:12.4 तक द्वादशी प्रारम्भ
24 शुक्ल द्वादशी 06:24.7 तक त्रयोदशी प्रारम्भ	25 शुक्ल त्रयोदशी 05:55.5 तक चतुर्दशी प्रारम्भ	26 शुक्ल चतुर्दशी 05:47.2 तक पूर्णिमा प्रारम्भ	27 अग्रहायण शुक्ल पूर्णिमा 06:03.2 तक अग्रहायण कृष्ण प्रथमा प्रारम्भ	28 कृष्ण प्रथमा 06:46.7 तक द्वितीया प्रारम्भ	29 कृष्ण द्वितीया 08:00.2 तक तृतीया प्रारम्भ	30 कृष्ण तृतीया 09:44.3 तक चतुर्थी प्रारम्भ

माह के शासकीय अवकाश– 25 ख्रीस्त जयंती (क्रिसमस)

माह के ऐच्छिक अवकाश– 04 क्रांतिसूर्य टंट्या भील बलिदान दिवस, 18 गुरु घासीदास जयंती, 19 संत श्री जिनतरण तारण जयंती, 26 दत्तात्रय जंयती